प्राक्कथन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध बाँदा जनपद के ग्रामीण व नगरीय महिलाओं में सामाजिक एवं संवैधानिक अधिकारों की विवेचना, परीक्षण तथा सार्थक परिणामों की दृष्टि से प्रस्तुत किया गया है। अपने शोध प्रबन्ध की निर्देशक डॉ0 सबीहा रहमानी के विषय प्रवर्तन पर ही मुझे अपने ग्रामीण ननिहाल तथा पितृगृह के परिवेश की उन महिलाओं का सहज स्मरण हुआ, जो अनेकानेक सामाजिक संघर्षों, उपेक्षाओ एवं कठिनाईयों से गुजरती हुईं मेरे मानस पटल पर अवस्थित थी। विषय प्रतिपादन होते ही मस्तिष्क पर संजोयी अनेक गहन अनुभूतियाँ सजीव एवं साकार होने लगीं और अन्तःकरण में तीव्र उत्कण्ठा ग्रामीण अंचलों की महिलाओं के अधिकार के प्रति अबोधता तथा शहरी महिलाओ की चैतन्यता में छिपी अधिकारों के प्रति तड़प प्रकट होने लगी। जिससे इस शोध प्रबन्ध के सर्वेक्षण एवं अध्ययन पक्ष में मेरी स्वाभाविक गहन अभिरुचि पूरी संवेदना एवं सजगता के साथ निरन्तर बनी रही है। यह मेरा सौभाग्य ही है कि मुझे प्रतिपल मार्गदर्शन देने वाली डॉ0 सबीहा जी अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं की आन्तरिक स्थिति से गहराई से जुडी हैं और उनके दिग्दर्शन का समग्र महिला समाज को समझने में मुझे अत्यधिक लाभ मिला। मैं उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करती हूँ।

शोध प्रबन्ध के गूढ तथ्यों की सहज विवेचना करके गहनता से विषय–वस्तु को परिणाम परक ध्येय तक ले जाने में मेरे छात्र जीवन के आदर्श गुरु डॉ0 जे0पी0 नाग की छत्र–छाया मुझे मिली, जिसे मैं आशीर्वाद के रूप में स्वीकार करती हूँ। छात्रा के रूप में उनके प्रति श्रद्धा अर्पित करती हूँ। इसी क्रम में वरिष्ठ प्रवक्ता शिवशरण गुप्ता जी ने मेरे मनोबल को बढ़ाने में विशेष सहयोग दिया जिनके प्रति मैं आजीवन कृतज्ञ रहूँगी। इस शोध प्रबन्ध का क्षेत्र व्यापक होने

के कारण ग्राम पंचायत नगरपालिका परिषद जिला सूचना अधिकारी कार्यालय एव जिला संख्याधिकारी के सर्वेक्षण एवं परिणामों, समंकों एवं विश्लेषणों का सम्यक् लाभ उक्त क्षेत्रों से मुझे मिला तथा मेरी सहजता एवं उत्सुकता के कारण ग्रामीण एवं नगरीय महिलाओं में प्रेम के साथ स्वाभाविक उत्तर मेरी साक्षात्कार अनुसूची का देकर इस शोध को प्रमाणिक व तथ्यपरक बनाने में मेरी भरपूर सहायता की है। मैं अपने उन उत्तरदाता, माताओं–बहिनों तथा विभिन्न स्तरीय पंचायत अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

इस शोध प्रबन्ध का सातत्य एवं सुगठित नियोजन बनाये रखने में मेरे परमादरणीय पिता श्री रामपाल गुप्ता एवं श्रद्धेय माता श्रीमती आशा गुप्ता का जिनके अनवरत प्रोत्साहन एवं सहयोग से इस चुनौतीपूर्ण कार्य को पूर्ण कर पायी, जिनका आभार मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती। साथ ही मैं अपने ताउ श्री रामनारायण गुप्ता की विशेष आभारी हूँ यह कृती उनके आशीर्वाद का प्रतिफल है।

मैं डी0ए0वी0 इन्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री बाबूलाल गुप्ता (नाना जी) की आभारी हूँ, जिन्होंने महत्वपूर्ण विचारों व सुझावों से मेरा पथ–प्रदर्शन किया। मैं अपनी आदरणीय दीदी अर्चना गुप्ता एवं जीजा जी श्री गोपालदास गुप्ता (पी0पी0ओ0) का हृदय से आभार प्रकट करना चाहती हूँ क्योंकि इन्होंने अपने व्यस्ततम समय में मुझे सलाह एवं सहयोग दिया। अपनी छोटी दीदी कुमारी प्रतिमा गुप्ता (पी0सी0एस0) मेरी निराशाओं के क्षण में आशा की सम्बल बनकर सहयोगी रहीं।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध इस रूप में दिखाई नहीं पड़ता यदि मेरे अनुज स्नेहिल भाई राघवेंन्द्र गुप्ता व उसके अभिन्न मित्र यूसुफ हुसैन का अविस्मरणीय सहयोग प्राप्त न हुआ होता।

श्री अग्रसेन महाविद्यालय, मऊरानीपुर, झाँसी के प्रोफेसर घनश्याम सिंह

एवं उनकी सहगामिनी श्रीमती उर्मिला सिंह, जिन्होंने समय–समय पर मुझे प्रोत्साहन देकर मेरे आत्मबल को बढ़ाया एवं उनके पुत्र तथा पुत्र–वधू, उनकी पुत्रियाँ प्रीति व श्वेता का भी उनके सहयोग के लिये आभार व्यक्त करती हूँ।

लवकुश महाविद्यालय, बबेरू के प्राचार्य श्री प्रमोद शिवहरे का भी मैं आभार व्यक्त करती हूँ, जिन्होंने समय–समय पर मेरा सहयोग किया।

मैं अपने सभी मित्रों, शुभचिन्तको की आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष एव अप्रत्यक्ष रूप से मुझे सहयोग दिया।

मैं श्री तज्जमुल अहमद, शमसुल हसन रिजवी एवं ओम जी श्रीवास्तव जिन्होंने मेरे इस शोध कार्य की पाण्डुलिपियों को टंकण कला के जादू से शोध प्रबन्ध का रूप दिया, उनकी सदैव आभारी रहूँगी, क्योंकि भरपूर समय व सहयोग से ही इस शोध कार्य को सम्पन्नता प्रदान की जा सकी है।

अन्त में उन सभी विद्वानों जिनकी रचनाओं से शोध–प्रबन्ध को पूरा करने में सहायता मिली है। मैं उनके प्रति कृतज्ञ हूँ।

मेरा विश्वास है कि जनपद बॉदा की महिलाओं में सामाजिक अधिकार, बोध के उन्नयन एवं इस विषयवस्तु पर आगे होने वाले अध्ययनों में प्रस्तुत शोध–प्रबन्ध 'मील के पत्थर' की भांति उपादेय सिद्ध होगा।

पुनः मैं अपनी निर्देशक एवं अन्य गुरुजनों के प्रति हृदय से उक्त शोध–प्रबन्ध की पूर्ति में सतत सहयोग हेतु आभार व्यक्त करती हूँ।

रचना गुप्ता